रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार
''बांस की खेती एवं उत्पाद विकास''
''Bamboo Cultivation & product Development''

प्रेस विज्ञप्ति

द्वितीय दिवस– तकनीकी सत्र एवं समापन

विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं म.प्र. काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार '' बांस की खेती एवं उत्पाद विकास''–''Bamboo Cultivation & Product Development'' दिनांक – 19–20 अगस्त 2020 समय – 12.00 बजे से 2.00 बजे तक किया जा रहा है। इसी संदर्भ में ज्ञात है कि '' बांस की खेती एवं उत्पाद विकास''–''Bamboo Cultivation & product Development'' सर्टिफिकेट का कोर्स विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा प्रारंभ कि जा रहा हैं।

आज 20 अगस्त 2020 को द्वितीय दिवस– तकनीकी सत्र एवं समापन का आयोजन किया गया।

तकनीकी सत्र – विषय विशेषज्ञीय व्याख्यान–

प्रथम व्याख्यान– डॉ.योगेश्वर मिश्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट प्रोडक्टिविटी, रांची, ने बांस की खेती एवं उत्पाद विकास विषय के सभी तकनीकि पहलुओं की सविस्तार चर्चा की एवं बांस की विभिन्न प्रजातियों के बारे में, उवं उनकी उपलब्धता, फार्मिंग के बारे में स्लाइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया।

द्वितीय व्याख्यान– श्री आनंद फिशके, संस्थापक, ग्रीन प्लेनेट सोशल फाउंडेशन, नागपुर ने अपने तकनीकि सत्र में बांस की खेती एवं उत्पाद विकास पर बांस के प्रोडक्शन,प्लांटेशन, एवं मार्केटिंग विषय पर कहा कि अगरवत्ती की तीली, लारकोल, फर्नीचर निर्माण, आदि के लिये बांय का प्रयोग किया जाता है उवं इसकी अत्यधिक डिमांड है।

तृतीय व्याख्यान– डॉ. प्रवीण दिघर्रा, सीनियर प्रिंसिनल साइंटिस्ट, म.प्र. काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, भोपाल ने तकनीकि सत्र में बताया कि नवीन टेक्नोलॉजी का प्रयोग करके बांस की खेती के तरीकों, प्लांटेशन, में सुधार कर कैसे उत्पादकता को बढाया जा सकता हैं।

समापन सत्र –

सार उद्बोधन – प्रो. सुरेंद्र सिंह, निदेशक,वि.वि.व्या.अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान ने दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार '' बांस की खेती एवं उत्पाद विकास''–''Bamboo Cultivation & Product Development' के समापन सत्र में दो दिवसों में आयोजन का सार एवं अतिथि परिचय किया।

विशिष्ट अतिथि – डॉ अभय कुमार पाटिल, आई.एफ.एस., सी.ओ. म.प्र. राज्य बेम्बू मिशन, भोपाल ने कहा कि बांस एक प्रमुख पौध है,म.प्र प्राकृतिक रुप से इसके लिये उत्तम स्थान है। उद्यमियो को इसके लिये अपना ध्यान आकर्शित करने एवं संस्थानों को इसमें वेल्यू एडिट करने की आवश्यकता है।

मुख्य अतिथि – डॉ अनिल कोठारी, महानिदेशक, म.प्र. काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, भोपाल बांस के क्षेत्र में नवीनतम प्रौद्योगिकी का विकास हुआ है। मशीनो का विकास वृहद रुप से हुआ है। म.प्र. काउंसिल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी,द्वारा छात्र–छात्राओं को इस क्षेत्र में किये जा रहे नवीन एवं विशिष्ट शोध कार्यो, प्रोडक्ट निर्माण में, पेटेंट में सहायता प्रदान की जाती हैं।

अध्यक्षता– मा. प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलपति, रा.दु.वि.वि ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि व्यावसायिक विकास एवं आत्मनिर्भरता के प्रति सकारात्मकता हेतु संकल्पबद्ध होते हुए इस '' बांस की खेती एवं उत्पाद विकास'' सर्टिफिकेट का कोर्स एवं संबंधित प्रयासों को अधिक से अधिक योजनाबद्ध एवं तकनीकि तरीके से वोकल फॉर लोकल एवं लोकल से ग्लोबल तक ले जाने का प्रयास विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा।

धन्यवाद ज्ञापन– डॉ. अजय मिश्रा, कौशल विकास विभाग, रा.दु.वि.वि.

कार्यकम संचालन– डॉ.मीनल दुबे, कौशल विकास विभाग, रा.दु.वि.वि

कार्यकम में **विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण, अतिथिविद्वानगण एवं छात्र–छात्राओं के साथ–साथ प्रतिभगीगण एवं** विभाग के डॉ चित्रा मिश्रा, इं महावीर त्रिपाठी, श्री अमरकांत चौधरी का सहयोग रहा।

प्रो. राकेश बाजपेयी एवं प्रो. धीरेन्द्र पाठक संकायाध्यक्ष नियुक्त

जबलपुर 20 अगस्त। माननीय कुलाधिपति एवं म.प्र. के राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 27(4) के तहत प्रो. राकेश बाजपेयी, आचार्य, भौतिक शास्त्र विभाग को विज्ञान संकाय का संकायाध्यक्ष तथा प्रो. धीरेन्द्र पाठक, आचार्य, पत्रकारिता विभाग को कला संकाय का संकायाध्यक्ष दो वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ/क्रमांक/924/20.08.2020